* स्कूल का महत्व - स्कूल याद आ रहा है।

स्कूल को हिंदी भाषा में विद्यालय कहा जाता है। विद्यालय शब्द सुनते ही हमारे मन में खुशी का अनुभव होता है। हमारे जीवन में जो विद्यालय का महत्व है वह बड़ा ही अहम है। विद्यालय एक तरह का हमारा दूसरा घर है जहाँ हम शिक्षा प्राप्त करते हैं। शिक्षा के साथ-साथ विद्यालय से हम खेलना सीखते हैं। विद्यालय ही जाकर हम नए-नए दोस्त भी बनाते हैं। यहीं से हम सफलता की पहली सीढ़ी पर चढ़ते हैं जहां से हम एक सफल व्यक्ति के गुण सीखते हैं। इसके बिना हमारा जीवन अधूरा है। विद्यालय से हम संस्कार सीखते हैं। विद्यालय से शिक्षा प्राप्त करके हम डॉक्टर, इंजीनियर, कलेक्टर बनते हैं।

शिक्षा प्राप्त करके ही कोई भी व्यक्ति अपने जीवन को सफल बनाता है। जो भी व्यक्ति इंजीनियर, डॉक्टर, कलेक्टर, वैज्ञानिक, बिजनेसमैन बनते हैं उनकी शिक्षा का मूल स्त्रोत विद्यालय ही हैं।

हमारा विद्यालय एक मंदिर के समान है जहाँ पर हम रोज अपने जीवन में आगे बढ़ने के लिए पढ़ने और सीखने आते हैं। हमारे स्कूल में सभी को एक समान समझा जाता है। विद्यालय ही एक ऐसा स्थान है जहाँ हमें प्रतिदिन कुछ-न-कुछ नया सीखने को मिलता है।

अभी हमारा देश बहुत ही बड़ी महामारी का सामना कर रहा जिसके कारण सभी स्कूल, कॉलेज बंद हैं जिससे विद्यार्थियों की स्थिति निम्न हैं :-

शुरू हो गया है रोना, कोई घर में छुप के बैठा
कोई पकड़े बैठा कोना, थी जिन्दगी में रौनक।
सब खेल खा रहे थे, अच्छे भले थे सारे
खुशियां मना रहे थे॥

आफिस भी सब खुले थे, स्कूल जा रहे थे,
मास्साब जी बिजी थे, एग्जाम चल रहे थे।
फिर यूं हुआ कि एक दिन, जैसे नजर लगी हो थे खिलखिलाते मानो खामोश
हो गए सब।।

स्कूल सारे सूने वीरान गलियां, सबसे बनी है दूरी।
अब याद आ रहे हैं, वो दिन स्कूल वो दिन वाले
वो व्यस्त - व्यवस्त रहना
वो अस्त - व्यस्त रहना।।

बच्चों से घिर के रहना, बच्चों को सुनते रहना,
कभी चॉक हाथ में थी, कभी पेन का था फिसलना।
वो व्यस्त - व्यस्त रहना।
वो अस्त - व्यस्त रहना।।

धन्यवाद।

Name - Tanisha Kumari
Class - X
Subject - निबंध